

DIVINE ASTRO

विवाह समय एवं संबंध मार्गदर्शन रिपोर्ट

Sample Customer

परामर्श विषय	विवाह समय एवं संबंध मार्गदर्शन रिपोर्ट
जन्म	15 August 1990, 10:30
तिथि	09 October 2026

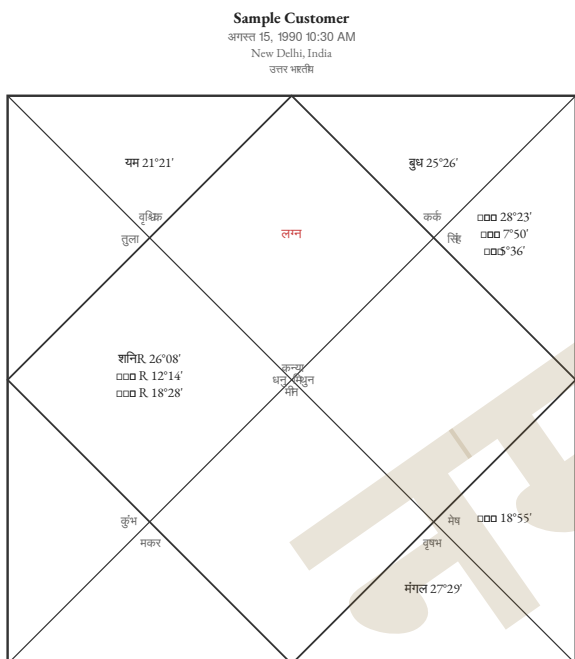


जन्म विवरण एवं कुंडली सारांश

नाम	Sample Customer
जन्म विवरण	15 August 1990, 10:30
जन्म स्थान	New Delhi, India
लग्न राशि	कन्या
चंद्र राशि	वृषभ

यह रिपोर्ट सप्तम (विवाह), द्वितीय (कुटुंब), एकादश (इच्छापूर्ति), चतुर्थ (गृहस्थ सुख) और अष्टम भाव, तथा शुक्र, गुरु और मंगल को कारक मानकर, आपकी चल रही दशा के साथ पढ़ती है।

लग्न कुंडली (D1)

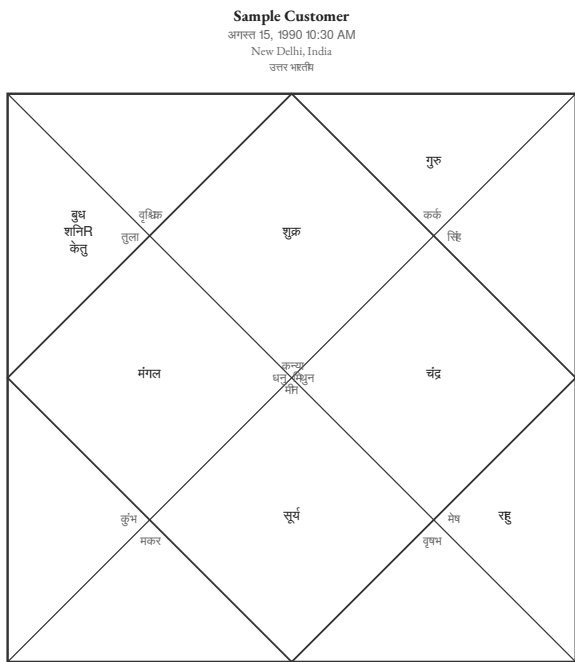


उत्तर भारतीय शैली

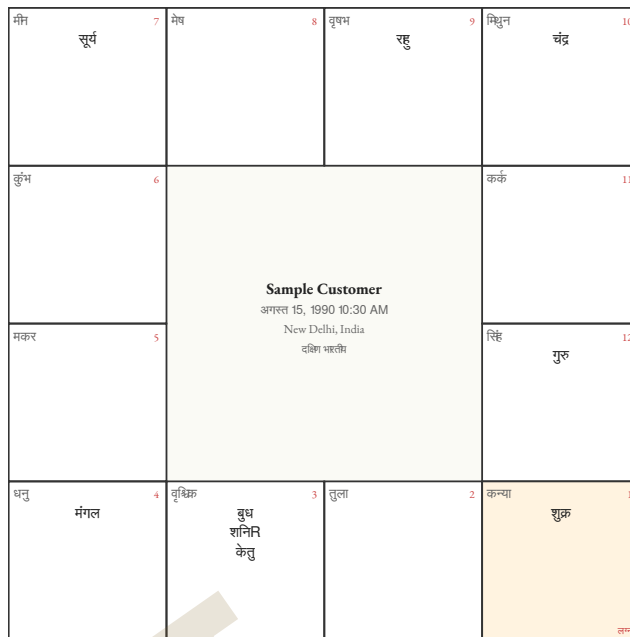
मीन	7	मेघ मंगल 27°29'	8	वृषभ ००० 18°55'	9	मिथुन	10
कुंभ	6	Sample Customer अगस्त 15, 1990 10:30 AM New Delhi, India दक्षिण भारतीय				कर्क ००० 28°23' ००० 7°50' ००5°36'	11
मकर	5					सिंह बुध 25°26'	12
धनु	4					वृश्चिक शनिR 26°08' ००० R 12°14' ००० R 18°28'	3

दक्षिण भारतीय शैली

नवमांश कुंडली (D9)



उत्तर भारतीय शैली



दक्षिण भारतीय शैली

इस विषय से संबंधित मुख्य भाव

भाव	राशि	आरंभ	भावेश	स्थित ग्रह
7	मीन	0°00'	बृहस्पति	—
2	तुला	0°00'	शुक्र	यम
11	कर्क	0°00'	चंद्रमा	बृहस्पति, शुक्र, केतु, सूर्य
4	धनु	0°00'	बृहस्पति	अरुण, वरुण, शनि
8	मेष	0°00'	मंगल	मंगल

इन भावों में आपकी कुंडली क्या दर्शाती है

- सप्तम भाव** — मीन (जीवनसाथी और साझेदारी): भावेश बृहस्पति कर्क राशि में, एकादश भाव में स्थित है। इसमें कोई ग्रह स्थित नहीं है।
- द्वितीय भाव** — तुला (धन, वाणी और कुटुंब): भावेश शुक्र कर्क राशि में, एकादश भाव में स्थित है। इसमें यम स्थित हैं।
- एकादश भाव** — कर्क (आय, लाभ और मित्र): भावेश चंद्रमा वृषभ राशि में, नवम भाव में स्थित है। इसमें बृहस्पति, शुक्र, केतु, सूर्य स्थित हैं।
- चतुर्थ भाव** — धनु (घर, माता और मानसिक शांति): भावेश बृहस्पति कर्क राशि में, एकादश भाव में स्थित है। इसमें अरुण, वरुण, शनि स्थित हैं।
- अष्टम भाव** — मेष (आयु, परिवर्तन और गुप्त विषय): भावेश मंगल मेष राशि में, अष्टम भाव में स्थित है। इसमें मंगल स्थित हैं।

इस विषय के प्रमुख ग्रह

इस खंड में आपकी कुंडली के तथ्य दिए गए हैं। शास्त्रीय फल का विस्तृत पाठ केवल अंग्रेज़ी रिपोर्ट में उपलब्ध है।

उदाहरण के लिए नमूना, एक काल्पनिक कुंडली पर बना। आपकी रिपोर्ट आपके अपने जन्म विवरण से बनती है।

- **बृहस्पति — कर्क, एकादश भाव:** कारकत्व: ज्ञान, भाग्य और विस्तार।
सप्तम भाव का स्वामी; चतुर्थ भाव का स्वामी; विवाह और संबंधों का कारक
- **शुक्र — कर्क, एकादश भाव:** कारकत्व: प्रेम, सुख और कला।
द्वितीय भाव का स्वामी; विवाह और संबंधों का कारक
- **चंद्रमा — वृषभ, नवम भाव:** कारकत्व: मन, भावना और माता।
एकादश भाव का स्वामी
- **मंगल — मेष, अष्टम भाव:** कारकत्व: ऊर्जा, साहस और कर्म।
अष्टम भाव का स्वामी; विवाह और संबंधों का कारक

सक्रिय दशा

वर्तमान महादशा बृहस्पति दिसंबर 2018 – दिसंबर 2034
वर्तमान अंतर्दशा केतु नवंबर 2025 – अक्टूबर 2026

महादशा	वर्ष	आरंभ	समाप्ति	स्थिति
चंद्रमा	10	04-12-1983	03-12-1993	गत काल
मंगल	7	03-12-1993	03-12-2000	गत काल
राहु	18	03-12-2000	03-12-2018	गत काल
बृहस्पति	16	03-12-2018	03-12-2034	सक्रिय
शनि	19	03-12-2034	03-12-2053	आगामी

समय-चक्र: आगामी तीन वर्षों की अंतर्दशाएँ

प्रत्येक पंक्ति आपके जन्म-विवरण से गणना की गई वास्तविक विंशोत्तरी अंतर्दशा है। जिस अवधि का स्वामी इस विषय के किसी भाव का स्वामी या कारक है, उसे चिह्नित किया गया है; शास्त्रानुसार इन अवधियों में यह क्षेत्र विशेष रूप से सक्रिय रहता है। यह समय का मार्गदर्शन है, किसी घटना का वचन नहीं।

नवंबर 2025 – अक्टूबर 2026 बृहस्पति – केतु
(चल रही)

अक्टूबर 2026 – जून 2029 बृहस्पति – शुक्र — इस विषय को सक्रिय करती है (शुक्र: द्वितीय भाव का स्वामी; विवाह और संबंधों का कारक)

जून 2029 – अप्रैल 2030 बृहस्पति – सूर्य

आपकी कुंडली के शास्त्रीय योग

योग का नाम	श्रेणी	संबद्ध ग्रह	प्रभाव / शास्त्रीय फल
धन योग	धन योग	चंद्रमा, शुक्र	त्रिकोण (नवम) और लाभ (एकादश) भाव के स्वामियों के मध्य संबंध से शुभ धन योग बनता है, जो जीवन में निरंतर आय, संपत्ति और समृद्धि की वृद्धि कराता है।
राजयोग	राजयोग	बृहस्पति, शुक्र	केंद्र और त्रिकोण के स्वामियों का शुभ युति या दृष्टि संबंध राजयोग का निर्माण करता है, जो उच्च

योग का नाम	श्रेणी	संबद्ध ग्रह	प्रभाव / शास्त्रीय फल
			अधिकार, करियर में उन्नति और समाज में प्रतिष्ठा दिलाता है।
पाश योग	नभस योग (संख्या)	सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि	सातों ग्रहों का पाँच राशियों में स्थित होना पाश योग बनाता है, जो परिवार व सेवकों के सहयोग से ईमानदार धनार्जन का सूचक है।

शास्त्रीय उपाय एवं मंत्र परामर्श

उपाय

- जीवन रत्न (लग्नेश):** Emerald (Panna), धातु: सोना या चांदी, उँगली: दाहिने हाथ की कनिष्ठा।
- शुभ रत्न (पंचमेश):** Blue Sapphire (Neelam), धातु: पंचधातु या लोहा, उँगली: दाहिने हाथ की मध्यमा।
- भाग्य रत्न (नवमेश):** Diamond or White Sapphire, धातु: सोना या प्लैटिनम, उँगली: दाहिने हाथ की अनामिका या कनिष्ठा।
- दशा मंत्र (बृहस्पति):** Om Gram Greem Groum Sah Gurave Namah (108 times daily)
- दान (अंग्रेज़ी में):** Donate chickpeas (chana dal), turmeric, yellow cloth, or bananas on Thursday mornings.

इस रिपोर्ट के बारे में

यह रिपोर्ट हमारे नियम-आधारित इंजन ने आपकी कुंडली से बनाई है: ग्रह-स्थिति, भावेश, बल और उनके लिए प्रकाशित शास्त्रीय फल। इसे किसी AI मॉडल ने नहीं लिखा, और यह परामर्श का विकल्प नहीं है।